अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्व ज्ञान (वर्ष : 2025) दिनांक : 17.12.2025

समय सीमा : 3 घंटा पंचम वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

संजया–25

प्र. 1 कोई पांच द्वार लिखें– 10

(क) परिहार विशुद्धि – प्रव्रज्या द्वार।

(ख) सामायिक – काल द्वार।

(ग) छेदोपस्थापनीय – गति-स्थिति-पदवी द्वार।

(घ) सूक्ष्म संपराय – तीर्थ, लिंग व शरीर द्वार।

(ड़) सामायिक – सन्निकर्ष द्वार।

(च) परिहार विशुद्धि – आकर्ष द्वार।

(छ) छेदोपस्थापनीय – स्थिति द्वार।

प्र. 2 किन्हीं छह प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें– 6

(क) आकर्ष किसे कहते हैं?

(ख) प्रत्येक बुद्ध किसे कहते हैं?

(ग) यथाख्यात चारित्र शाश्वत क्यों है?

(घ) सातिचार चारित्र किसे कहते हैं?

(ड़) कल्पस्थित किसे कहते हैं?

(च) आयुष्य व मोह कर्म का बंध किन गुणस्थानों तक होता है?

(छ) भाव लिंग किसे कहते हैं?

(ज) अल्प बहुत्व किसे कहते हैं?

प्र. 3 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 9

(क) छेदापस्थापनीय चारित्र–अंतर द्वार लिखते हुए जघन्य अंतर के पीछे की अपेक्षा को बतलाएं।

(ख) सामायिक चारित्र–स्थिति द्वार लिखते हुए बतायें कि जघन्य स्थिति के पीछे क्या अपेक्षा है?

(ग) सूक्ष्म संपराय–सन्निकर्ष द्वार लिखें व टिप्पण के आधार पर षट्स्थान पतित क्यों है व इनमें आपस में तरतमता क्यों है?

(घ) सामायिक चारित्र–कर्म उदीरणा लिखते हुए बतायें कि उदीरणा किसे कहते हैं? विभिन्न कर्मों की उदीरणा में टिप्पण के आधार पर संगति बैठाएं।

नियंठा–25

प्र. 4 कोई छह द्वार लिखें– 18

(क) पुलाक – काल द्वार।
(ख) निर्ग्रंथ – प्रव्रज्या द्वार।
(ग) प्रतिसेवना – अंतर द्वार।
(घ) निर्ग्रन्थ – स्थिति द्वार।
(ड़) कषाय कुशील – आकर्ष द्वार।
(च) बकुश – गति-स्थिति-पदवी द्वार।
(छ) प्रतिसेवना – परिणाम-स्थिति द्वार।

प्र. 5 किन्हीं सात प्रश्नों के उत्तर लिखें– 7

(क) स्नातक का क्षेत्र द्वार लिखें।
(ख) अतीर्थी में किसे लिया गया है?
(ग) 'अनाभोग' शब्द का क्या तात्पर्य है?
(घ) स्नातक अवस्था में अंतर क्यों नहीं होता?
(ड़) नौंवे गुणस्थान में वेद कौन-कौन से हैं?
(च) कौन-कौन से निर्ग्रंथ सदाकाल हैं?
(छ) कषाय कुशील-ज्ञान व अध्ययन द्वार लिखें।
(ज) स्नातक के कितने प्रकार हैं? केवल नाम लिखें।

गीतिका-नियंठा दिग्दर्शन–10

प्र. 6 किन्हीं दो प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें– 2

(क) नियंठा दिग्दर्शन गीतिका की रचना कब, कहां व किसने की।
(ख) छहों निर्ग्रन्थ किन-किन गुणस्थानों में होते हैं?
(ग) क्या-क्या करने से छठा गुणस्थान बदल जाता है?

प्र. 7 कोई दो पद्य अर्थ सहित लिखें– 8

(क) निर्ग्रन्थ.....अवलोय।
(ख) इम छठो.....मत खोय।
(ग) दुर्लभ.....कहूं तोय।
(घ) सांभल.....जोय।

पूर्व कंठस्थ ज्ञान–40

प्र. 8 सभी प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(क) **पच्चीस बोल–** 2

पांच कोटि त्याग **अथवा** आभ्यन्तर तप के प्रकार।

(ख) **चतुर्भंगी–** 3

सतरहवां बोल **अथवा** संवर (चौदहवां बोल)।

(ग) **पच्चीस बोल की चर्चा–** 3

17 से 22 दण्डक **अथवा** 7 से लेकर 12 गुणस्थान।

(घ) **तत्त्व चर्चा–** 3

विविध चर्चा-1 से लेकर 6 तक **अथवा** सामायिक पर चर्चा।

(ड़) **कर्म प्रकृति–** 4

चारित्र मोह कर्म के लक्षण एवं कार्य का यंत्र **अथवा** निधत्ति व निकाचना की व्याख्या करें।

(च) **जैन तत्त्व प्रवेश (प्रथम खण्ड)–** 4

षड्द्रव्य द्वार–जीवास्तिकाय तक वर्णन करें **अथवा** हेय-ज्ञेय-उपादेय द्वार लिखें।

(छ) **प्रतिक्रमण–** 3

पांचवा व्रत सूत्र सहित **अथवा** कर्मादान संबंधी अतिचार लिखें।

(ज) **जैन तत्त्व प्रवेश (द्वितीय, तृतीय खण्ड)–** 4

श्रावक गुण द्वार **अथवा** शील आदरियो..... मांय। इस पद्य को पूर्ण करें।

(झ) **इक्कीस द्वार–** 4

अभाषक **अथवा** अचरम का पूरा बोल लिखें।

(ञ) **बावन बोल–** 3

उदय आदि छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन? **अथवा** चौबीस दण्डकों में लेश्या कितनी?

(ट) **लघु दण्डक–** 4

लेश्या द्वार–भवनपति से प्रारम्भ करते हुए सर्वार्थसिद्ध तक लिखें **अथवा** तिर्यंच की अवगाहना में थलचर तक लिखें।

(ठ) **पांच ज्ञान–** 3

प्रतिबोधक दृष्टान्त **अथवा** वर्धमान अवधिज्ञान लिखें।